हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, रविवार 8 मार्च 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बुढ़ार में गूंजेगी मानवता की पुकार, निलेश जैन की अनूठी पहल

बुढ़ार। जब समाज स्वार्थ में डूबा हो, तब नर सेवा को नारायण सेवा मानकर विद्युत ठेकेदार निलेश जैन ने शहडोल रोड पर मानवता का बिगुल फूंका है। आगामी 10 मार्च को आदि कॉम्प्लेक्स में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर महज एक आयोजन नहीं, बल्कि मौत से जंग लड़ रहे मरीजों के लिए जीवनदान का संकल्प है। आयोजक ने क्षेत्र के युवाओं और समाजसेवियों को सीधी चुनौती दी है कि वे केवल बातों में नहीं, बल्कि रक्तदान कर धरातल पर अपनी सक्रियता दिखाएं। दोपहर 1 बजे से शुरू होने वाले इस शिविर में रक्तदाताओं के सम्मान में विशाल भंडारे का भी आयोजन है। विशेष रूप से कलम के सिपाहियों (पत्रकारों) को भी इस मुहिम की धार पैनी करने हेतु आमंत्रित कर सप्रेम भोज की व्यवस्था की गई है। बुढ़ार के प्रबुद्ध नागरिक इस पुण्य कार्य में शामिल होकर व्यवस्था परिवर्तन के साक्षी बनें।

महिला की दुकान पर पत्थरबाजी

शहडोल। न्याय की उम्मीद में थाने की चौखट चूम रही एक आदिवासी महिला की बेबसी ने सोहागपुर पुलिस की मुस्तैदी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राम पंचायत मैकी में दबंगों ने न केवल एक महिला की दुकान की छत पत्थरों से छलनी कर दी, बल्कि समझौते का ढोंग रचकर दोबारा लहूलुहान करने की जुर्रत भी की। अनीता कोल की आपबीती सुनकर क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है।

पहले तोड़ी छत, फिर तोड़ा भरोसा- पीड़िता के मुताबिक संजय, बिट्टू, गीता और कमल नायक ने रात के अंधेरे में उसकी दुकान पर पत्थर बरसाए। जब अनीता ने विरोध किया, तो उसे समझौते के जाल में फंसाया गया। समाज के कथित मुखिया ने सुलह का नाटक किया, लेकिन अगले ही दिन दबंगों ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघते हुए अनीता और उसके भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया।

चोरी और सीनाजोरी एक साथ- हैरानी की बात यह है कि हमलावरों ने महिला की लाचारी का फायदा उठाया। जब अनीता साधन न होने के कारण थाने नहीं पहुंच सकी, तब तक आरोपियों ने खुद को दूध का धुला बताकर थाने में झूठी शिकायत दर्ज करा दी। अब सवाल यह है कि क्या सोहागपुर पुलिस इन शातिर हमलावरों की चाल को समझ पाएगी, अनीता ने निष्पक्ष जांच की मांग की है, लेकिन गांव में तनाव का धुआं साफ देखा जा सकता है। खाकी को अब शब्दों से नहीं, बल्कि सख्त कार्रवाई से अपनी साख बचानी होगी।

प्रदूषण के डार्क स्पॉट बने कार वॉश सेंटर

शहडोल। जिले के बुढार और धनपुरी क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहे कार वॉश सेंटर अब स्वच्छ पर्यावरण के लिए कैंसर बन चुके हैं। चमकती गाडियों की आड़ में ये सेंटर प्रकृति के सीने पर कालिख पोत रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के सख्त नियमों को ठेंगा दिखाते हुए इन दुकानों से निकलने वाला जहरीला रसायन, ग्रीस और तेलयुक्त पानी सीधे खुले नालों और खेतों में बहाया जा रहा है। विडंबना देखिए कि रक्षक ही भक्षक बना बैठा है, जिम्मेदार विभाग कुंभकर्णी नींद में है और उसकी खामोश सहमति ने इन प्रदूषण माफियाओं के हौसले बुलंद कर रखे हैं।

काली चिकनाई में डूबा भविष्य - नियमानुसार किसी भी कार वॉश सेंटर को संचालन से पहले बोर्ड से अनुमति लेना और ऑयल ट्रैप व ट्रीटमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य है, लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश सेंटरों ने ट्रीटमेंट तो दूर, साधारण सोखता गड्ढा तक नहीं बनाया है। रसायनों से भरा झाग और चिकनाई युक्त कचरा सीधे नालियों में उड़ेला जा रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरता नष्ट हो रही है और भूजल में जहर घुल रहा है। नालियों में जमी काली परत और उससे उठती सड़ांध ने स्थानीय लोगों का जीना मुहाल कर दिया है, लेकिन विभाग को यह बदबू सुनाई नहीं दे रही।

कमीशन का खेल या सिस्टम की सुस्ती- स्थानीय नागरिकों का सीधा आरोप है कि यदि पीसीबी ईमानदारी से निरीक्षण करे, तो क्षेत्र के आधे से ज्यादा सेंटर अवैध और मानक विहीन मिलेंगे। आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी है कि गंभीर पर्यावरणीय उल्लंघन के बावजूद आज तक किसी भी सेंटर पर ताला नहीं जड़ा गया? विशेषज्ञों की मानें तो यदि इन प्रदूषण के अड्डों पर तत्काल नकेल नहीं कसी गई, तो आने वाले समय में क्षेत्र का भूजल पीने योग्य नहीं बचेगा। क्या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का काम केवल दफ्तर में बैठकर कागजी रिपोर्ट बनाना है?

मोहनी हाईस्कूल में नकल का खुला तांडव

शहडोल में नकल के भरोसे सुधर रहा भविष्य

अतिथि शिक्षक बांट रहे नकल की खैरात, जिम्मेदार बने तमाशबीन

शहडोल।

जिले में शिक्षा का स्तर पाताल की ओर गोता लगा रहा है और विभाग के आला अधिकारी अपनी ईमानदारी का ढोल पीटने में मशगूल हैं। जयसिंहनगर विकासखंड के मोहनी हाईस्कूल से आई शर्मनाक तस्वीरों ने जिले की शिक्षा व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। यहां गृह परीक्षाओं में जिस तरह खुलेआम नकल का तांडव मचाया जा रहा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षा अब ज्ञान का मंदिर नहीं, बल्कि लापरवाही और भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है।

अतिथि शिक्षक गाइड अधिकारी मौन

ताजा मामले में मोहनी शासकीय हाईस्कूल माझीटोला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। वीडियो में अतिथि शिक्षक (वर्ग-2, हिंदी) छात्र-छात्राओं को नकल परोसते साफ नजर आ रहे हैं, लेकिन क्या एक अतिथि शिक्षक की इतनी बिसात है कि वह पूरी व्यवस्था को ठेंगा दिखा दे। सूत्रों की मानें तो इस पूरे नकल के खेल के पीछे सहायक केंद्राध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह कंवर माध्यमिक शिक्षक का वरदहस्त है। जब स्कूल के जिम्मेदार ही नकल के सौदागर बन जाएं, तो नौनिहालों के भविष्य का अंधकार में डूबना तय है।

आखिर कब तक ढुलमुल रवैया

जिले से लेकर विकासखंड स्तर तक के जिम्मेदारों ने अपनी आंखें मूंद ली हैं। अधिकारियों की कार्यप्रणाली और उनके ढुलमुल रवैये ने शिक्षा जैसे पवित्र कार्य को एक धंधा बना दिया है। जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति होती है और छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाकर बड़े मगरमच्छों को बचा लिया जाता है। शहडोल का शिक्षा विभाग भ्रष्टाचार के दीमक से खोखला हो चुका है। यहां प्रतिभा को नहीं, बल्कि नकल करने की क्षमता को सराहा जा रहा है।

शिक्षा विभाग की पोल खोलती कड़वी हकीकत

उडऩदस्ते केवल कागजों पर दौड़ रहे हैं, धरातल पर नकल माफिया सक्रिय हैं। बिना वरिष्ठ अधिकारियों के संरक्षण के इतनी बड़ी लापरवाही संभव नहीं। इस तरह पास होने वाले छात्र आगे चलकर जिले और प्रदेश का नाम नहीं, बल्कि बदनामी ही कराएंगे। शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों को अब अपनी कुंभकर्णी नींद से जागना होगा। मोहनी हाईस्कूल की इस घटना ने जनता के विश्वास को झकझोर कर रख दिया है। अगर अब भी इन नकल के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब शहडोल की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह दम तोड़ देगी।

विकासखंड के नाक के नीचे भ्रष्टाचार का खेल

हैरानी की बात यह है कि मोहनी हाईस्कूल विकासखंड मुख्यालय से सटा हुआ है। जब मुख्यालय की नाक के नीचे इस कदर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, तो जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा लगाना भी रूह कंपा देने वाला है। शिक्षा विभाग के दावों और जमीनी हकीकत में जमीन-आसमान का अंतर है। यह शिक्षा नहीं, बल्कि डिग्री बांटने की एक अवैध फैक्ट्री की तरह प्रतीत हो रहा है।

कागजों से बाहर निकलें जन औषधि केंद्र, गरीबों को मिले सस्ती दवा

शहडोल।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और रेडक्रॉस की कछुआ चाल पर जमकर हंटर चलाया है। समीक्षा बैठक के दौरान चेयरमैन ने साफ कर दिया कि रेडक्रॉस केवल रस्म अदायगी का केंद्र नहीं बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को दोटूक चेतावनी दी कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का लाभ यदि आखिरी कतार के व्यक्ति तक नहीं पहुंचा, तो जवाबदेही तय की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज को अल्टीमेटम – बैठक में सबसे आक्रामक रुख शहडोल मेडिकल कॉलेज को लेकर दिखा। चेयरमैन ने कड़े लहजे में निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक और जन औषधि केंद्र को हर हाल में एक सप्ताह के भीतर चालू किया जाए। अब तक की देरी पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि जनता की सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। जिन विकासखंडों में अब तक केंद्र नहीं खुले हैं, वहां युद्ध स्तर पर काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

आंगनबाडिय़ों को गोद ले रेडक्रॉस- जिले में कुपोषण की भयावह स्थिति पर चिंता जताते हुए डॉ. कुमरे ने अधिकारियों को आदेश दिया कि अति-कुपोषित आंगनवाड़ी केंद्रों को रेडक्रॉस को सौंपा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहडोल को कुपोषण मुक्त करने के लिए समाजसेवियों का सहयोग लें और एनआरसी केंद्रों का संचालन प्रभावी ढंग से करें। जनता को आपदा से निपटने के लिए तैयार करना होगा, केवल फाइलों में वॉलिंटियर दर्ज करने से काम नहीं चलेगा।

आपदा प्रबंधन और प्रशिक्षण पर जोर- चेयरमैन ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि केवल कैंप के नाम पर खानापूर्ति न हो। युवाओं और आपदा मित्रों को सीपीआर, सर्पदंश और आग से बचाव का वास्तविक जमीनी प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में जूनियर व यूथ रेडक्रॉस के गठन में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा रखा, जिस पर चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि उन्हें अब रिपोर्ट नहीं, बल्कि धरातल पर परिणाम चाहिए।

कागजों पर नहीं, अब जमीन पर सहेजना होगा पानी कलेक्टर की दो टूक, लापरवाहों की खैर नहीं

शहडोल।

जिले में गहराते जल संकट और दम तोड़ते जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रशासन ने अब आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सरकारी खानापूर्ति या फोटो खिंचवाने का जरिया नहीं बनेगा, बल्कि इसे एक जनआंदोलन के रूप में धरातल पर उतारना होगा। 19 मार्च से 30 जून तक चलने वाले इस महाभियान के लिए उन्होंने जिले के अधिकारियों को कड़े तेवर दिखाते हुए करो या मरो की स्थिति में काम करने के निर्देश दिए हैं।

राजस्व रिकॉर्ड से गायब जल स्रोत होंगे दर्ज

कलेक्टर ने विभाग के भीतर मची सुस्ती पर प्रहार करते हुए साफ कहा कि जिले के जितने भी निजी और शासकीय जल स्त्रोत हैं, उन्हें तत्काल राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। अक्सर रसूखदारों के दबाव में तालाब और बावडियों को कागजों से गायब कर दिया जाता है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में चल रहे अधूरे निर्माण कार्यों को कछुआ चाल छोडक़र युद्ध स्तर पर पूर्ण किया जाए।

साफ-सफाई में कोताही पड़ी भारी तो नपेंगे जिम्मेदार

बैठक में कलेक्टर के तेवर देख साफ था कि वे अब ग्राउंड रिपोर्ट चाहते हैं। उन्होंने नालियों, तालाबों और ऐतिहासिक बावडियों की साफ-सफाई के नाम पर होने वाली लीपापोती को बंद करने की चेतावनी दी है। गांव-गांव में जन चौपाल लगाकर जनता को जल के महत्व से जोडऩे का जिम्मा अधिकारियों को सौंपा गया है। जल की एक-एक बूंद का हिसाब अब सरकारी फाइलों में नहीं, बल्कि प्यासी धरती की नमी में दिखना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, एसडीएम अमृता गर्ग सहित तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे, जिन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि इस अभियान में किसी भी स्तर की लापरवाही अक्षम्य होगी। अब देखना यह है कि एसी कमरों में बैठने वाले साहबान, चिलचिलाती धूप में इस अभियान को कितना सफल बना पाते हैं।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ तय करेगा विकास की दिशा: विधायक

शहडोल।

विकसित भारत 2047 का सपना केवल सरकारी फाइलों और भाषणों से पूरा नहीं होगा, इसके लिए मीडिया को अपनी धार तेज करनी होगी। स्थानीय विजयश्री होटल में आयोजित मीडिया वार्तालाप के दौरान जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने दोटूक लहजे में कहा कि सरकार की योजनाओं और आम जनता की उम्मीदों के बीच मीडिया ही वह पुल है, जो विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। पत्र सूचना कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सत्ता और प्रशासन ने मीडिया को आईना दिखाते हुए उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराया।

प्रधानमंत्री के विजन को धरातल पर उतारने की चुनौती

विधायक मनीषा सिंह ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री देश की दशा बदलने के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं, लेकिन जब तक मीडिया इन योजनाओं का सच गांव-गांव तक नहीं पहुँचाएगा, तब तक बदलाव अधूरा है। उन्होंने सडक़ों के जाल और कृषि को लाभ का धंधा बनाने के सरकारी दावों को रेखांकित करते हुए पत्रकारों से आह्वान किया कि वे विकास के सहभागी बनें।

प्रशासन और मीडिया के बीच सार्थक संवाद की दरकार

पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम ने स्पष्ट किया कि प्रशासन और मीडिया के बीच संवादहीनता जनता के लिए घातक है। अक्सर सूचनाओं के अभाव में जनकल्याणकारी योजनाएं दम तोड़ देती हैं। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने भी मीडिया के सकारात्मक सुझावों को पारदर्शी शासन के लिए अनिवार्य बताया। बैठक में कृषि, स्वास्थ्य और बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों ने अपनी योजनाओं का पिटारा खोला, लेकिन असली सवाल यही रहा कि क्या ये आंकड़े हकीकत में गरीब की थाली तक पहुंच रहे हैं? विकास का कोई भी स्वप्न मीडिया के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता, लेकिन इसके लिए कलम को चाटुकारिता से दूर रहकर जवाबदेही तय करनी होगी।

अधिकारियों ने गिनाईं उपलब्धियां, मीडिया ने टटोली हकीकत

कार्यक्रम में कृषि उपसंचालक अनुराग पटेल, डॉ. आर.के. शुक्ला और लीड बैंक मैनेजर अमित चौरसिया ने आयुष्मान भारत से लेकर पीएम विश्वकर्मा योजना तक का बखान किया। अब देखना यह है कि प्रशासन के इन गुलाबी आंकड़ों और विधायक की उम्मीदों के बीच शहडोल का मीडिया कितनी कड़ाई से धरातल की हकीकत को सरकार तक पहुंचाता है।

नई टंकियां बन रहीं, बैराज का हुआ टेण्डर सोन प्रोजेक्ट से पेयजल की होगी शेष आपूर्ति

शहडोल।

संभाग मुख्यालय शहडोल नगर में पेयजल की समुचित और सुदृढ़ व्यवस्था के लिए नगरपालिका निरंतर प्रयासरत है। माना जाता है कि इससे आगामी पचास वर्षों तक की पेयजल आवश्यकता की पूर्ति होगी। वार्डों की संख्या बढऩे और बस्तियों का विस्तार होने के साथ ही नगर में पानी की आवश्यकता बढ़ती जा रही थी। पूर्व में सात पुरानी पानी टंकियों के बाद नई पाच टंकियां बनवाई गईं थीं अब पुनः और भी नई 5 टंकियां बनवाई जा रहीं हैं साथ ही नगर में लगभग 80 किमी पाइप लाइनों का विस्तार किया जाएगा। इसके अलावा पानी के भराव के लिए 27 करोड़ के लागत का सोन प्रोजेक्ट क्रियान्वित किया जा रहा है।

यहां बन रहीं टंकियां

बताया गया कि नई पानी टंकियों का निर्माण भुइबांध, घरौला, शहंशाह देवतरा तालाब, पुरानी बस्ती और हॉस्पिटल परिसर मे हो रहा है। इन टंकियों की क्षमता 3 लाख लीटर से लेकर 6 लाख लीटर तक अलग अलग है। इनसे सप्लाई शुरू होते ही नगर में भरपूर जलापूर्ति होने लगेगी।

पाइप लाइनों का विस्तार

नगर में पेयजल की समुचित आपूर्ति के लिए नगरपालिका द्वारा लगभग 80 किमी नई पाइप लाइने बिछाई जाएंगी। नगर में कई ऐसे स्थान हैं जहां आज भी नलों की सुविधा नहीं है। कारण यही है कि वहां पाइप लाइनों का विस्तार ही नहीं हो सका था। ज्ञातव्य है कि यही कार्य मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना की राशि से भी की जानी थी लेकिन तब शहर के कई हिस्से छूट गए थे।

बैराज का भी होगा निर्माण

नवलपुर सोन नदी पर जल रोकने के लिए बैराज बनाने हेतु टेण्डर दे दिया गया है। जल्द ही वहां काम शुरू कर दिया जाएगा। इंटक वेल और बैराज के माध्यम से पानी रोक कर पाइपों से फिल्टर प्लांट में लाया जाएगा और फिर सप्लाई किया जाएगा। इन पांच नई टंकियों में पूर्णतया सोन नदी का पानी ही उपयोग किया जाएगा।

इनका कहना है

आगामी दिनों के लिए नगर की पेयजल व्यवस्था करना आवश्यक है। इस बार नगरपालिका ने 50 साल की आवश्यकता के मान से योजना बनाकर उसे क्रियान्वित किया है।

घनश्याम जयसवाल
अध्यक्ष, नगरपालिका शहडोल

खबर संक्षेप

हाईस्कूल हिन्दी विषय की परीक्षा संपन्न

उमरिया। हाईस्कूल हिन्दी विषय की परीक्षा 45 परीक्षा केंद्रो में संपन्न हुई। जिले में हाईस्कूल हिन्दी विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 7638 परीक्षार्थियों मे से 7500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी वहीं 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस.मरावी द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि. उत्कृष्ट उमरिया, शा.उ.मा. वि. कन्या उमरिया, शा.उ.मा.वि. कालरी उमरिया एवं शा.उ.मा.वि. सरसवाही का निरीक्षण किया गया, परीक्षा शांति पूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पायी गयी। परीक्षा में किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुये। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्था एवं संचालन मंडल के निर्देशानुसार उचित एवं व्यवस्थित पायी गयी, सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल तैनात पाया गया। परीक्षा केन्द्रों पर 144 धारा लगाने के फलस्वरूप बाहय भीड़ एवं असमाजिक तत्वों की भीड़ नहीं दिखाई दी,

दलालों और रजिस्ट्रार ऑफिस के गठजोड़ ने लूटा गरीब का हक

वृद्धावस्था पेंशन का लालच देकर बुजुर्ग की जमीन डकारी

मानपुर। इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर रूह कांप जाए। जिला उमरिया के ग्राम चिल्हारी में रहने वाले एक बेबस, अनपढ़ और शारीरिक रूप से लाचार बुजुर्ग को अपनों और शातिर सफेदपोश दलालों ने मिलकर जीते-जी कंगाल बना दिया। बुढ़ापे की लाठी बनने के बजाय, इन दलालों ने बुजुर्ग की आंखों में धूल झोंककर उनकी संपत्ति (0.628 हेक्टेयर भूमि) मात्र कुछ लाख के कागजी हेरफेर में अपने नाम करा ली।

पेंशन का झांसा और धोखे की रजिस्ट्री

पीड़ित गोविन्द काछी पिता स्व. फल्लू काछी ने पुलिस अधीक्षक को दी अपनी लिखित शिकायत में न्याय की गुहार लगाते हुए खुलासा किया है, पीड़ित के मुताबिक, गांव के ही दो रसूखदार मुन्ना साहू और भूरा साहू ने बुजुर्ग की लाचारी का फायदा उठाया। उन्होंने बुजुर्ग को झांसा दिया कि वे उसे उमरिया लोक सेवा केंद्र ले जाकर उसकी वृद्धावस्था पेंशन बंधवा देंगे। गरीब बुजुर्ग को क्या पता था कि पेंशन के बहाने उसे मौत से बदतर जिंदगी की ओर धकेला जा रहा है। उमरिया ले जाकर, रजिस्ट्रार कार्यालय में सांठ-गांठ कर खसरा नंबर 322 की कीमती जमीन को पार्वती पति राजेश कुशवाहा और सन्तोष कुमार त्रिपाठी के नाम करा लिया गया।

रजिस्ट्रार ऑफिस के अंदरुनी खिलाड़ी

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरी जालसाजी में रजिस्ट्री कार्यालय के भीतर बैठने वाले और कंप्यूटर कार्य करने वाले सन्तोष कुमार त्रिपाठी की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। आरोप है कि संतोष त्रिपाठी ने ही पूरे सिस्टम को मैनेज किया और गवाह बनकर इस फर्जीवाड़े को कानूनी जामा पहनाया।

जान से मारने की धमकी

दस्तावेजों में जमीन की कीमत 6 लाख रुपये दिखाई गई है, लेकिन पीड़ित बुजुर्ग गोविन्द का कहना है कि उसे एक फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। जब पीड़ित को गांव लौटने पर अहसास हुआ कि उसके साथ क्या खेल हो गया है, तो वह न्याय मांगने इन दलालों के पास पहुंचा। वहां से उसे इंसाफ की जगह मौत की धमकी मिली। मुन्ना और भूरा साहू ने खुलेआम चेतावनी दी कि अगर कहीं भी रिपोर्ट की तो तेरा जीना हराम कर देंगे और जान से मार डालेंगे।

प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती

एक तरफ सरकार भू-माफिया के खिलाफ बुलडोजर चलाने का दम भरती है, वहीं दूसरी तरफ उमरिया में एक बुजुर्ग की जमीन सरेआम डकार ली गई। पीड़ित गोविन्द काछी आज दाने-दाने को मोहताज है और खौफ के साये में जी रहा है। उसने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच हो, दोषियों को जेल भेजा जाए और उसकी पुश्तैनी जमीन वापस दिलाई जाए।

अभियान को गंभीरता से लेते हुए प्रकरणों का करें निराकरणः कलेक्टर

क्लस्टर स्तर पर ग्राम बरबसपुर में संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर संपन्न

उमरिया। पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किया जाए,ताकि आम जन को शा स की य योजनाओं का लाभ समय से मिल सके। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने क्लस्टर स्तर पर ग्राम बरबसपुर में आयोजित संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि सरकार का संकल्प है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन व्दारा संचालित योजनाओं का लाभ मिल सके , इसी उददेश्य से सरकार व्दारा संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होने कहा है कि अभियान के तहत कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजना का लाभ पाने से वंचित नही रहें, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए, इसके लिए आवश्यक है कि 31 मार्च तक घर घर संपर्क करते हुए लोगो से आवेदन प्राप्त किए जाएं तथा उन्हें योजना के लाभ से लाभांवित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने शिविर में एचपीवी वैक्सीनेशन के संबंध में पूछताछ की जिस पर बताया गया कि 14 वर्ष एवं 15वें वर्ष में चल रही किशोरियों का टीकाकरण सतत रूप से किया जा रहा है। टीकाकरण का कार्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। कलेक्टर ने इस कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। शिविर में जिला प्रमुख अधिकारियों व्दारा विभाग व्दारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त करते हुए उनके निराकरण करनें की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की गई। क्लस्टर स्तर पर बरबसपुर मे आयोजित शिविर में बरबसपुर, ददरौडी, घघराड, बडवार, रोहनिया, मझगवा, कोडार, पिपरिया, सेमरिया, रथेली, कछराटोला, सेहराटोला के ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में बताया गया कि ग्राम बरबसपुर में 12 जनवरी से घर घर भ्रमण करके 125 आवेदन प्राप्त किये गये , जिनमें सभी का निराकरण कर दिया गया है। इसी तरह घघराड में प्राप्त 82 आवेदनों में से सभी का निराकरण, बडवार में प्राप्त 129 आवेदनों में से सभी का निराकरण, रोहनिया में प्राप्त 46 में से 45 का निराकरण, मझगवां में प्राप्त 74 में से 54 का निराकरण, रथेली में प्राप्त 74 में से 72 का निराकरण कछराटोला में प्राप्त 48 में से 43 का निराकरण, सेहराटोला में प्राप्त 33 आवेदनो मे से सभी का निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने कम संख्या में प्राप्त आवेदनों पर गति लाने के निर्देश दिए। शिविर में ग्रामीणों ने पानी की समस्या बताई जिस पर कलेक्टर ने कहा कि ग्राम बरबसपुर में 1 करोड़ 40 लाख रूपये की लागत से रपटा कम स्टॉप डेम का निर्माण कार्य के लिए राशि डीएमएफ से स्वीकृत कर दी गई है। उन्होने आर ई एस विभाग के कार्यपालन यंत्री से कहा कि बरसात के पूर्व निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं ताकि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से भविष्य में नहीं जूझना पड़े। उन्होने वर्तमान में पेयजल समस्या से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग को कुएं का गहरीकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग व्दारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए निःशुल्क दवाई वितरित कि गई। इस दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग,बिजली विभाग,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग,जन जातीय कार्य विभाग के स्टॉल लगाए गए थे। शिविर में राजेश रैदास को रिकार्ड सुधार होने का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ जनपद पंचायत मानपुर प्रत्युष श्रीवास्तव, संबंधित ग्रामों के सरपंच सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम बरबसपुर स्थित कथली नदी में किया गया बोरी बंधान

उमरिया। प्रदेश सरकार व्दारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल की एक एक बूंद को संरक्षति करने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत जल की एक एक बूंद को संरक्षित किया जाने का काम किया जाएगा। जल का संरक्षण करना हम सबकी महती जिम्मेदारी है। इसके लिए आवश्यकता है कि अपने ग्राम में आस पास के जल स्त्रोतो को संरक्षित करें। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने ग्राम बरबसपुर स्थित कथली नदी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बोरी बंधान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि जल का संरक्षण होने पर इस पानी का उपयोग मवेशियों सहित आम जन कर सकेंगे।उन्होंने कहा कि आवश्यकता है कि जल गंगा संवर्धन अभियान को जनांदोलन बनाने की जिसमें समाज के हर वर्ग एवं उम्र के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो। बोरी बंधान कार्यक्रम में अधिकारियों,कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ जनपद पंचायत मानपुर प्रत्युष श्रीवास्तव, करकेली जनपद पंचायत सीईओ ऋषभ शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग से आर के गुप्ता, सरपंच सहित ग्रामीणों ने भाग लिया।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की सचिव की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

उमरिया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन आयोग की सचिव सीमा सोनी (अपर संचालक) द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार मे अनु. जा. एवं अनु.ज.जा. आयोग में लंबित शिकायतों के संबंध में समीक्षा की गई। शिकायतों में पुलिस विभाग, राजस्व विभाग,शिक्षा,कृषि आदि विभागों से संबंधित शिकायतो पर विस्तार से अधिकारियों से चर्चा की गई। बैठक में सचिव द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अनु. जाति व अनु.ज.जा.वर्ग के व्यक्तियों के प्रकरणों में तत्परता व संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, ताकि समयावधि में आयोग से प्राप्त शिकायतों का निराकरण किया जा सके।बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,एस डी एम मानपुर हरनीत कौर कलसी,पाली एसडीएम मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, सहायक आयुक्त जजा कार्य विभाग श्रीमती

नालियों का खुला चैंबर दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र में नालियों का खुला चैंबर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। नगर में कई नालियां ऐसी है जो आज भी खुली हुई है लेकिन अगर पालिका की लापरवाही के कारण चेंबर नहीं ढका जा रहा है। खुले चैंबर से जहां दुर्गंध भी आती है और लोगों को हर समय दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। शनिवार को नगर के वार्ड क्रमांक आठ अंडर ब्रिज के बगल से बने नाला जिसका खुला चेंबर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है उसमें लगभग सात से आठ भैंस धुस कर फंस गई जिसका वीडियो जमकर सोशल मीडिया मे वायरल हो रहा था जिसकी जानकारी नगर पालिका को दी गई तब नगर पालिका के कर्मचारी रवि कुमार सोनी, रवि कुमार तिवारी और स्थानीय लोगों ने सहयोग किया और सहयोग के बाद लगभग 20 मिनट के अंदर उन भैंसों को बाहर निकालने में सफल हुए। नागरिकों मे नगर मे खुली नालियों के चेंबर ढकाई कराये जाने की मांग की है।

रामनगर पुलिस की पहल से गुम हुए 11 मोबाइल बरामद

राजनगर। राजनगर पुलिस द्वारा गुम हुए मोबाइलों की तलाश हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना रामनगर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से गुम हुए 11 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस किए, जिससे फरियादियों के चेहरे पर खुशी लौट आई। बरामद मोबाइलों का विवरण इस प्रकार है भागवत केवट पिता गोपाल केवट, निवासी ऊरा मोबाइल कीमत 14,999, रामू गुप्ता पिता स्व. अर्जुन गुप्ता, निवासी फुलवारी टोला मोबाइल कीमत 13,000, बादल केवट पिता रामश्रय केवट, निवासी सीधी दफाई राजनगर मोबाइल कीमत 28,999, प्रियंका जायसवाल पति मिठाई लाल जायसवाल, निवासी पैराधार मोबाइल कीमत 20,990, अर्जुन सिंह पिता अमान सिंह, निवासी भलवाही मोबाइल कीमत 17,999, उत्तर पटेल पिता रमेश पटेल, निवासी सेमरा मोबाइल कीमत 17,019, हरिलाल साकेत पिता बिसेसर साकेत, निवासी राजनगर मोबाइल कीमत 17,000, मूलचंद केवट पिता जेठू केवट मोबाइल कीमत 9,200, संगीता प्रजापति पिता संतोष प्रजापति, निवासी रामनगर मोबाइल कीमत 6,500, मनोज कुमार पिता आनंद सिंह, निवासी भालमुड़ी मोबाइल कीमत 9,200, शेषनारायण पिता शिवप्रसाद मोबाइल कीमत 20,000 बरामद 'मोबाइलों की कुल कीमत 1,74,906 है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामनगर सुमित कौशिक, आरक्षक अनुराग भार्गव, अनुराग सिंह, सुशील अहिरवार एवं भानु प्रताप का सराहनीय योगदान रहा।

जमुना-कोतमा में डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन की हालत खस्ता

सुविधाओं के अभाव पर श्रीकांत शुक्ला ने उठाई आवाज

ब द रा / ज मु ना । जमुना कोतमा क्षेत्र में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। कोयला मजदूर सभा जमुना-कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने भवन की जर्जर होती स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सामुदायिक भवन क्षेत्र के कर्मचारियों, मजदूरों और आम नागरिकों के लिए सामाजिक कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र है, लेकिन वर्तमान में यहां मूलभूत सुविधाओं का गंभीर अभाव है। श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि इस भवन का उपयोग विवाह, सामाजिक कार्यक्रम, बैठकें और अन्य सामुदायिक आयोजनों के लिए लंबे समय से किया जाता रहा है। बावजूद इसके भवन के रखरखाव और सुविधाओं पर प्रबंधन द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भवन में न तो लोगों के ठहरने की समुचित व्यवस्था है और न ही स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है, जिससे कार्यक्रम आयोजित करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि भवन परिसर में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब है और कई स्थानों पर मरम्मत की आवश्यकता है। भवन के कमरे, शौचालय और अन्य व्यवस्थाएं भी जर्जर स्थिति में हैं, जिसके कारण यहां कार्यक्रम आयोजित करना कठिन होता जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह भवन कभी क्षेत्र की सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था, लेकिन अब इसकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कोयला मजदूर सभा के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने प्रबंधन से मांग की है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन की स्थिति पर तत्काल संज्ञान लिया जाए और भवन की मरम्मत, नियमित साफ-सफाई तथा स्वच्छ पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक सुधार नहीं किए गए तो भवन का उपयोग करना और भी कठिन हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह भवन केवल एक इमारत नहीं बल्कि क्षेत्र के कर्मचारियों और नागरिकों के सामाजिक जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए इसकी देखरेख और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। क्षेत्र के नागरिकों ने भी प्रशासन और प्रबंधन से मांग की है कि जल्द से जल्द आवश्यक कार्य कराकर इस सामुदायिक भवन को सुचारू रूप से संचालित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोग बिना किसी परेशानी के इसका उपयोग कर सकें।

कोतमा पुलिस ने खाते खुलवाने और लाखों रुपए के लेनदेन करने वाले बड़े गिरोह का किया भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतमा पुलिस ने खाते खुलवाने और लाखों रुपए के लेनदेन करने वालों बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले के तार छत्तीसगढ़ से जुड़े होने पर टीम ने शातिर सटोरिया एवं जालसाज मो फजल 29 वर्षीय को पेंड्रा से गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम लगातार एमपी एवं छत्तीसगढ़ में दबिश देकर धरपकड़ जारी किए हैं।

युवा बेरोजगारों को बनाते थे शिकार

पुलिस की जांच में सामने आया कि संगठित गैंग द्वारा सुनियोजित गिरोह बनाकर आरोपियों द्वारा युवाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर धोखाधड़ी पूर्वक बैंक ले जाकर खाता खुलवाया जाता था। पूरे मामले का मास्टर माइंड बादल कोतमा को बताया जा रहा है जो कि पिछले कई महीनों से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं से संपर्क बढ़ाते हुए उन्हें अलग अलग बैंकों में ले जाकर खाता खोला जाता था। पासबुक, एटीएम, सिम सहित पूरी किट अपने पास रखते हुए प्रत्येक खातों में लाखों रुपए ट्रांसफर कराया जाता था। पुलिस जांच के दौरान ऑन लाइन सट्टेबाजी में हारे गए रूपये का भुगतान होना पाया गया।

बादल पर दर्ज है कई प्रकरण

थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने बताया कि मुख्य आरोपी बादल के खिलाफ थाना में कई अपराध पूर्व में भी पंजीबद्ध है। जिसमें कट्टा से हवाई फायर करते हुए गुंडागर्दी, सट्टा एवं मारपीट सहित अन्य अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी को अभिरक्षा में लेकर अनूपपुर के अलावा छत्तीसगढ़ राज्य के पेंड्रा एवं मनेंद्रगढ़ में भी दबिश देते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अभी भी कई आरोपी की तलाश जारी है।

खोले जा चुके हैं सैकड़ों खाते

गिरफ्तार जालसाजों ने पूंछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए है। कोतमा नगर के विभिन्न वार्डो के अलावा, बदरा, पाड़ौर, निगवानी, रेउला सहित अन्य अलग अलग जगहों से सैकड़ों युवाओं के खातों का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन किया जा चुका है।

अब तक हुई गिरफ्तारी

पुलिस के द्वारा अब तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिसमें सरगना बादल सहित 5 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर 318 (4) में जेल भेजा जा चुका। छत्तीसगढ़ से भी तार जुड़े होने पर मो फजल 29 वर्ष निवासी बजरंग नगर पेंड्रा को भी गिरफ्तार किया है। कब्जे से एटीएम कार्ड, मोबाइल सहित अन्य सामग्री जप्त की गई है। आरोपी को न्यायालय में पेशकर जेल भेजा गया। अभी भी कई फरार लोगों की तलाश जारी है। जिनमें सफेदपोश नामों के आने की सुगबुगाहट बताई जा रही है।

इनका कहना

रिमांड मे लेकर पूंछताछ के दौरान आरोपी फजल को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। फरार बदमाशों की तलाश जारी है।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी कोतमा

खबर संक्षेप

विजयराघवगढ़ में आयुष्मान कार्ड बनाने कल से शिविर

कटनी। आयुष्मान योजना से अब तक वंचित रह गए पात्र हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ प्रदान करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्रामों में माइक्रोप्लान के तहत 9 मार्च से 'आयुष्मान पाक्षिक अभियान' के तहत शिविर आयोजित किये जायेंगे। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विजयराघवगढ़ द्वारा आयोजित इन शिविरों में बचे हुये समस्त पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड संयुक्त विभाग की टीम के माध्यम से बनाये जायेंगे। टीम में स्वास्थ्य विभाग से सी.एच.ओ., ए.एन.एम., महिला एवं बाल विकास से आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पंचायत विभाग से सचिव एवं रोजगार सहायक शामिल रहेंगे।

महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम

कटनी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों, सुरक्षा और न्याय तक उनकी सुलभ पहुँच को सुगम बनाने के लिये "अधिकार, न्याय, कार्यवाही – महिलाओं और बालिकाओं के लिए" थीम पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना तथा समाज में सुरक्षा और सम्मान का वातावरण मजबूत करना है। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर संवाद और जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें घरेलू हिंसा कानून की जानकारी, न्याय चौपाल के माध्यम से कानूनी सहायता के मॉडल, मानसिक स्वास्थ्य और सायबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक संस्थाओं द्वारा अपने अनुभव और सफल पहल साझा की जाएंगी, ताकि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए प्रभावी मॉडल सामने आ सकें। साथ ही घरेलू कामकाजी महिलाओं द्वारा पॉवर वॉक के माध्यम से आत्मविश्वास, स्वाभिमान और महिला शक्ति का संदेश दिया जाएगा।

जिला स्तरीय कबड्डी का आयोजन 10 मार्च को, सौपे गये कार्य दायित्व

कटनी। पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के हेतु नवाचार के तहत आगामी 10 मार्च सुबह 11 बजे से इण्डोर हॉल, माधव नगर खेल परिसर (अ.ज.जा./अ.जा. पुलिस थाने के पास) में जिला स्तरीय भव्य कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर ने इस संबंध में विस्तृत आदेश जारी कर अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। जारी आदेश के अनुसार आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिला कार्यक्रम प्रबंधक पंकज कुमार नामदेव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जबकि जिला खेल अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव सहायक नोडल होंगी। कार्यक्रम की सफलता के लिए जिला खेल अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव जनपद स्तर पर खिलाड़ियों के चयन की व्यवस्था और खेल परिसर में प्रतियोगिता संपन्न कराएंगी। जबकि आयोजन स्थल पर एम्बुलेंस और प्राथमिक उपचार की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह ठाकुर को दी गई है। इसी प्रकार पंचायत समन्वयक अधिकारी जी.एस. किसपोट्टा और जिला समन्वयक कमल सिंह ठाकुर अतिथियों के आमंत्रण व बैठक व्यवस्था देखेंगे, जबकि कार्यक्रम स्थल पर स्टेज, कुर्सी, माईक, साउंड, बैठक, अतिथियों को स्वल्पाहार एवं खिलाड़ियों के भोजन आदि की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला समन्वयक कमलेश सैनी को दो गई है। कार्यक्रम स्थल पर खिलाड़ियों को लाने-ले जाने की जिम्मेदारी समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दी गई है, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी व्याख्याता श्रीमती चित्रा प्रभात एवं ब्लॉक समन्वयक जग्गी प्रसाद पटेल को दी गई है।

बिजली बिल बकाया भुगतान न करने वाले

चक्की व्यवसायी पर कार्रवाई, मोटर कुर्क

बुढ़ार।

बिजली विभाग ने बकाया राशि की वसूली को लेकर अब सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शनिवार, 7 मार्च को विभाग ने ग्राम मलया के करही टोला में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बकायादार चक्की व्यवसायी की मोटर कुर्क कर ली।

दो वर्षों से बकाया था बिल

मिली जानकारी के अनुसार, उक्त व्यवसायी पिछले दो वर्षों से बिजली का उपयोग कर अपना व्यवसाय संचालित कर रहा था, लेकिन विद्युत करों के भुगतान में लगातार टालमटोल कर रहा था। विभाग द्वारा कई बार नोटिस जारी कर उपभोक्ता को 'समाधान योजना' के तहत छूट का लाभ लेकर बकाया राशि जमा करने के लिए प्रेरित किया गया, लेकिन बकायादार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

कुर्की की कार्रवाई का विवरण

कनिष्ठ अभियंता विकास गोंदुडे ने मामले की जानकारी देते हुए बताया किः उपभोक्ताः सुखसेन पिता मैकू (निवासीः करही टोला, मलया) सर्विस क्रमांकः 1102042872,कुल बकाया राशिः 42,209 रुपये,कानूनी आधारः मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 147 के अंतर्गत।शनिवार को विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर 7.5 एचपी चक्की की मोटर को जप्त कर कुर्क करने की कार्रवाई की।

मौके पर मौजूद टीम

सहायक अभियंता सुभाष सेन के निर्देशन में कनिष्ठ अभियंता विकास गोंदुडे के साथ हिमांशु पाण्डेय,रितेश लखेरा,अविनाश शुक्ला और गौतम सतनामी मुख्य रूप से इस कारवाई में उपस्थित रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अन्य बड़े बकायादारों पर भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत कार्यक्रम

बिरसिंहपुर पाली उमरिया

शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली, उमरिया जिले में, 6 मार्च को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार के उद्घाटन वक्तव्य से हुई, जिन्होंने साइबर सुरक्षा के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों के बीच सतर्क रहना और मजबूत पासवर्ड व दो-कारक प्रमाणीकरण जैसे उपाय अपनाना आवश्यक है। डॉ शाहिद ए सिद्दीकी ने राष्ट्रीय सुरक्षा की जानकारी से छात्र छात्राओं को अवगत कराया। आयोजन की जिम्मेदारी डॉ. मनीषा अग्रवाल ने संभाली। इस कार्यक्रम में डॉ त्रिभुवन गिरी, श्री बालेंद्र यादव एवं सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

होली उत्सवः उपहार और मिठाई पाकर गरीब बच्चों और परिजनों के चेहरे खिल उठे

उमरिया

होली के पावन पर्व पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले मुख्यालय से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्रों की बस्तियों में पहुंचकर 80 नन्हे नन्हे बच्चों को खुशियों के रंग बांटने और हर उदास चेहरे पर मुस्कान लाने के कार्य के उद्देश्य उपस्थित सभी बच्चों को पिचकारी ,रंग गुलाल ,मिठाइयां, बिस्किट, फल,मुखौटा आदि उपहार में दिया गया। इस आयोजन से बच्चों के बीच हर्षोल्लास का माहौल बना रहा, और उन्होंने पूरे जोश के साथ त्योहार का आनंद लिया।उद्देश्य समाज के हर वर्ग के बच्चों तक शिक्षा और खुशियां पहुंचाना है। कार्यक्रम में ग्रामीण बच्चों के बीच खुशी का लहर देखने को मिला। बस्ती इलाके 80 से अधिक गरीब परिवार के बच्चों को फल, बिसकिट्स, टॉफ़ी, रंग गुलाल एवं पिचकारी का वितरण उपहार स्वरूप करते हुए उनके साथ होली का त्यौहार होली का उत्सव बड़े ही धूमधाम व उत्साह पूर्वक मनाया गया। मिठाई, रंग गुलाल एवं पिचकारी मिलने पर बच्चों के चेहरे पर खुशियां उमड़ पड़ी, मानो उनके खुशियों का कही ठिकाना ही नही रहा।हम त्यौहार तो धूमधाम से मनाते हैं लेकिन दूसरों की खुशियों का ख्याल नहीं रखते। हम सभी को एक होकर समाज में आगे आना चाहिए और जरूरतमंदों के साथ और इन बच्चों के साथ त्योहार मना कर खुशियां बॉटनी चाहिए" युवा टीम उमरिया पिछले 6 साल से नगर वासियों के सहयोग से सभी त्योहार झुग्गी झोपड़ी एवं जरूरतमंद और बुजुर्गों के साथ ही मनाती आ रही है।

नौनिहालों की सेहत सहेजने का महासंकल्प ; शहडोल में शिक्षकों ने सीखा वेलनेस का पाठ, अब स्कूलों में बढ़ेगी जागरूकता

शहडोल।

जिले के विद्यालयों को अब केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और मानसिक सुदृढ़ता का केंद्र बनाया जाएगा। होटल न्यू यश पैलेस के सभागार में शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान तथा आईसेक्ट के सहयोग से आयुष्मान भारत उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महाअभियान के प्रथम चरण में शासकीय विद्यालयों के 43 शिक्षकों ने स्वास्थ्य दूत (एम्बेसडर) के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल को पैना किया।

मानसिक स्वास्थ्य और जीवन कौशल पर प्रहार

प्रशिक्षण का उद्घाटन जिला परियोजना समन्वयक ए. एन. सिंह और डाइट प्राचार्या श्रीमती अमिताभा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की धार तब और तेज हो गई जब डॉ. मुकुंद चतुर्वेदी ने मानसिक स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण सत्रों का प्रभावी संचालन शिवपाल तिवारी और हमजा अली ने किया, जिसमें किशोरावस्था की चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तृत विमर्श हुआ।

प्रशासनिक अमले ने झोंकी पूरी ताकत

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा और जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनोज द्विवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिले में अब बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। आईसेक्ट के प्रबंधकों ने समन्वय की कमान संभाली, जबकि समापन समारोह में जिला टीबी अधिकारी डॉ. वाय. के. परासवान ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उन्हें राष्ट्र निर्माण और स्वस्थ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराया। अब देखना यह होगा कि ये प्रशिक्षित शिक्षक धरातल पर स्कूलों की सूरत कितनी जल्दी बदलते हैं।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का होली मिलन कार्यक्रम संपन्न

ब्लाक कार्यकारिणी की हुई घोषणा, बांटे गए परिचय पत्र

ब्यौहारी।

मध्यपदेशश्रमजीवी पत्रकार संघ का कार्ड वितरण होली मिलन कर्यक्रम विश्रामगृह व्यवहारी में संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार कोल तहसीलदार , विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निरीक्षक जियाउल उल हक ,शेख रब्बानी ,अशोक तिवारी जिला उपाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी शत्रुघ्नचतुर्वेदी, शिवकुमार गुप्ता, विष्णु दास वैश्य उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा की गई एवं आभार प्रदर्शन विनय द्विवेदी महासचिव द्वारा किया गया साथियों को होली की बधाई दी गई बैठक मे ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा ब्लाक कार्यकारिणी की घोषणा की गई ब्लाक कार्यकारिणी में विनय द्विवेदी को महासचिव ,मोहम्मदचांद नगर उपाध्यक्ष, , सूर्य भान यादव उपाध्यक्ष, श्रीनिवास मिश्रा , सुभाष द्विवेदी उपाध्यक्ष, विनोद तिवारी उपसचिव, विकास यादव,राकेश कुमार पाण्डेय सहसचिव। विपिन कुमार द्विवेदी, दीपक चतुर्वेदी,प्रतिछा मिश्रा को ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया नये सदस्य के रूप में धीरेन्द्र सिंह कछवाह अरविंद पटेल,संजय जैसवाल द्वारा संगठन की सदस्यता ग्रहण की गई।

अमलाई थाने के बगल में धुआं-धुआं हुई सुरक्षा पानी ढोने वाले ऑटो में भड़की चिंगारी, मची

शहडोल।

कोयलांचल के अमलाई थाना क्षेत्र में उस वक्त मौत का तांडव होते-होते बचा, जब थाने के ठीक बगल में एक चलता-फिरता धुआं बम फट पड़ा। घर-घर पानी की सप्लाई करने जा रहे एक लोडिंग ऑटो में अचानक आई तकनीकी खराबी ने पूरे इलाके को काले धुएं के आगोश में ले लिया। चंद सेकंडों के भीतर मची इस अफरा-तफरी ने पुलिसिया सुरक्षा और राहगीरों के होश फाख्ता कर दिए।

एक्सीलेटर जाम... और धधक उठा इंजन

हैरतअंगेज वाकया तब हुआ जब ऑटो चालक रोज की तरह पानी की भारी-भरकम बोतलें लादकर सप्लाई पर निकला था। चश्मदीदों के मुताबिक, अचानक वाहन का एक्सीलेटर जाम हुआ और इंजन पर बढ़ते दबाव ने चिंगारी को लपटों में बदल दिया। देखते ही देखते अमलाई थाने के करीब आसमान में धुएं का गुबार छा गया। लोग अपनी गाडिय़ां छोडक़र भागने लगे, क्योंकि सडक़ों पर खटारा हो चुके इन मालवाहक वाहनों का कोई भरोसा नहीं कि वे कब चलता-फिरता कब्रिस्तान बन जाएं।

खुद के माल से ही बुझाई आग

मौत को करीब देख ऑटो चालक और उसके साथी ने गजब की हिम्मत दिखाई। जब मदद के लिए कोई आगे नहीं आया, तो उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए ऑटो में लदी पानी की बड़ी बोतलों को तुरंत खोला और धधकते इंजन पर पानी की बौछार कर दी। यह एक विडंबना ही थी कि जो पानी लोगों की प्यास बुझाने जा रहा था, वही आज एक बड़े धमाके को रोकने के काम आया। चालक की मुस्तैदी ने पुलिस की नाक के नीचे होने वाले एक बड़े हादसे को टाल दिया।

खटारा वाहनों पर कब कसेगा शिकंजा

यह घटना सवाल पूछ रही है कि आखिर अमलाई और आस-पास के क्षेत्रों में सडक़ों पर दौड़ रहे इन जर्जर और अनफिट वाहनों पर परिवहन विभाग और स्थानीय पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं करती? थाने के बगल में हुआ यह हादसा एक चेतावनी है। आज तो पानी की बोतलों ने आग बुझा दी, लेकिन अगर यही वाहन किसी भीड़भाड़ वाले बाजार में आग पकड़ लेता, तो क्या प्रशासन के पास इसका कोई जवाब होता? फिलहाल, दहशत का धुआं छंट चुका है, लेकिन जनता के मन में असुरक्षा का डर अभी भी कायम है।

बिजली विभाग का मार्च मिशन

वसूली में सुस्ती पड़ी भारी, मुख्य अभियंता ने इंजीनियरों को पिलाया कड़वा घूंट

शहडोल।

वित्तीय वर्ष की समाप्ति करीब आते ही बिजली विभाग के गलियारों में हडक़ंप मच गया है। बीते दिनों मुख्य अभियंता कार्यालय के सभागार में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक किसी औपचारिक चर्चा जैसी नहीं, बल्कि लापरवाह अधिकारियों की क्लास जैसी नजर आई। मुख्य अभियंता ने दोटूक लहजे में साफ कर दिया कि फाइलों में विकास और कागजों पर वसूली का खेल अब बंद होना चाहिए, उन्हें धरातल पर राजस्व और रिजल्ट चाहिए।

कुर्सी छोड़ो, वसूली पर दौड़ों

बैठक में फरवरी और मार्च माह के राजस्व लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य अभियंता ने इंजीनियरों के पसीने छुड़ा दिए। बिलिंग और कलेक्शन एफिशिएंसी में आ रही गिरावट पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन वितरण केंद्रों का प्रदर्शन खराब है, वहां के प्रभारी अपनी जवाबदेही तय समझें। लॉस को कम करने में नाकाम रहे कनिष्ठ अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए गए कि वे एसी कमरों से बाहर निकलकर अवैध कनेक्शनों और बकायादारों पर बिजली गिराएं।

पेंडिंग प्रोजेक्ट्स पर सर्जिकल स्ट्राइक

बैठक में धरती आभा योजना, आरडीएसएस और 50 लाख से ऊपर के लंबित निर्माण कार्यों की सुस्त रफ्तार पर मुख्य अभियंता ने गहरा असंतोष व्यक्त किया। प्रोजेक्ट मैनेजरों और एजेंसियों को चेतावनी दी गई है कि वर्क प्लान 2024-25 और 25-26 के कार्यों में हीलाहवाली अब बर्दाश्त नहीं होगी। फेल ट्रांसफार्मर बदलने और लंबित उच्च दाब कनेक्शनों को लटकाए रखने वाले अधिकारियों को भी जमकर फटकार लगाई गई। जनता की समस्या पर समाधान चाहिए, टालमटोल नहीं। सीएम हेल्पलाइन और 1912 की शिकायतों का अंबार अधिकारियों की निक्रमता का प्रमाण है।

सीएम हेल्पलाइन और पेंडिंग शिकायतों पर हंटर

समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन और 1912 की शिकायतों का मुद्दा सबसे ज्यादा गर्माया रहा। मुख्य अभियंता ने निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण केवल क्लोजर रिपोर्ट लगाने के लिए न किया जाए, बल्कि उपभोक्ता की संतुष्टि अनिवार्य है। बैठक में शहडोल क्षेत्र के समस्त अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और प्रोजेक्ट मैनेजरों को चेतावनी दी गई है कि आगामी माह में यदि राजस्व लक्ष्य पूरे नहीं हुए, तो कड़े प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे।

जब सैया भये कोतवाल तो डर कहे का...!

60 लाख की चोरी और 1 लाख की सेटिंग

वायरल ऑडियो से भालूमाड़ा पुलिस पर उठे सवाल, जांच में साठगांठ के आरोप

कोतमा क्षेत्र में 60 लाख से अधिक की बड़ी चोरी के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के बदरा स्थित पेट्रोल पंप संचालक संग्राम सिंह के घर हुई चोरी के बाद अब 8 मिनट का वायरल ऑडियो सामने आया है, जिसमें जांच अधिकारी और पीड़ति के बीच बातचीत में पुलिस टीम पर गंभीर आरोप लगाते दिखाई दे रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के कोतमा क्षेत्र में हुई करोड़ों की आहट वाली बड़ी चोरी अब पुलिस के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। बदरा स्थित पेट्रोल पंप संचालक संग्राम सिंह के सूने घर में 19 जनवरी की रात चोरों ने बेखौफ होकर लगभग 60 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के जेवर, नगदी और पूजा सामग्री पर हाथ साफ कर दिया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सीतापुर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन अब वायरल हुए 8 मिनट के ऑडियो ने पूरे मामले में नई सनसनी फैला दी है। ऑडियो में कथित तौर पर जांच से जुड़े पुलिसकर्मी और पीड़ति के बीच बातचीत में आरोप लगाया गया है कि एक वाहन मालिक कुर्बान को बचाने की कोशिश की जा रही थी और इसके बदले एक लाख रुपये की मांग की गई रही है। पीड़ति का कहना है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अब तक मात्र करीब 9 लाख रुपये के गहनों की बरामदगी ही हो पाई है। वहीं कई स्थानीय संदिग्धों को बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया, जिससे पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

लग्जरी कार से आए चोर, 60 लाख से ज्यादा की चोरी

19 जनवरी की रात चोर लग्जरी कार से बदरा पहुंचे और संग्राम सिंह के सूने घर को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर में रखे सोने-चांदी के गहने, नगदी और पूजा सामग्री सहित करीब 60 लाख रुपये से ज्यादा का सामान पार कर दिया। वारदात इतनी सुनियोजित थी कि चोर आराम से घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस ने विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की थी।

वायरल ऑडियो ने मचाया हड़कंप

चोरी की जांच के दौरान सामने आया 8 मिनट का ऑडियो अब पूरे मामले में नई हलचल पैदा कर रहा है। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर पुलिस अधिकारी और पीड़ति के बीच बातचीत सुनाई दे रही है, जिसमें वाहन मालिक को बचाने और एक लाख रुपये के लेनदेन की बात सामने आ रही है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी पर सवाल

पुलिस ने जांच के दौरान छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर और सीतापुर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। लेकिन पीड़ति का आरोप है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अब तक केवल करीब 9 लाख रुपये के गहने ही बरामद किए गए हैं। इसके अलावा अन्य आरोपियों की लोकेशन मिलने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया, जिससे जांच की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोपियों को मिला जमानत का लाभ

पीड़ति संग्राम सिंह का आरोप है कि पुलिस द्वारा कमजोर विवेचना किए जाने के कारण गिरफ्तार आरोपियों को अदालत से जमानत मिल गई और अब वे खुलेआम घूम रहे हैं। उनका कहना है कि यदि पुलिस ने शुरू से गंभीरता से जांच की होती तो चोरी का पूरा माल बरामद किया जा सकता था और मुख्य सरगना सहित अन्य आरोपियों को भी पकड़ा जा सकता था।

आरक्षक पर पहले भी लग चुके है आरोप

मामले में चर्चित आरक्षक चक्रधर तिवारी का नाम भी सामने आ रहा है। बताया जाता है कि दिसंबर 2024 में भी उन पर जुआ प्रकरण में पैसा छीनने का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें लाइन अटैच किया गया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें फिर से भालूमाड़ा थाने में पदस्थ कर दिया गया। इसके बाद भी उन पर एक और आरोप लगा और फिर लाइन अटैच किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर किसकी मेहरबानी से यह आरक्षक बार-बार उसी थाने में वापस आ जाता है।

इनका कहना है

विवेचना में लापरवाही पर उप निरीक्षक को निलंबित किया गया है। वायरल ऑडियो की भी जांच कराई जा रही है।

मोती उर रहमान
पुलिस अधीक्षक अनूपपुर

शिकार नहीं मिलने के विवाद में हत्या, तीन गिरफ्तार:

अनूपपुर पुलिस ने अंधे कत्ल का किया खुलासा, आरोपियों को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। देवरी टोला बीहर बाबा मंदिर के उपर जैतहरी के जंगल में अज्ञात शव की पडे होने की सूचना प्राप्त स्टाफ के द्वारा घटना स्थल पहुंचकर व्हाटस अप. एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार कर शव के परिजनो का पता तलाश किया बाद देहाती नालसी लेकर जीरी की मर्ग एवं अपराध की कायमी मौके पर मर्ग क्रमांक 0/26 धारा 194 बी. एन. एस. एस. एव अप. क्र. 0/26 धारा 103(1) बी. एन. एस एवं असल नम्बरी अपराध क्रमांक अप. क्र. 78/2026 धारा 103(1), 3(5) बी. एन. एस 25, 27 आर्म्स एक्ट की अंधी हत्या जैसे अपराध के आरोपीगणो को घटना की सूचना प्राप्त होते ही घटना दिनांक से काफी हिकमत तमली एवं वैज्ञानिक पदद्धि का सहारा लेकर विवेचना की गई विवेचना के दौरान सूचना कर्ता एवं पीडित परिजनो के संदेह के अनुसार काफी मस्क्कत से विवेचना किया गया जो आरोपीगण जंगल में लुक छिप रहे थे जो घटना अति संवेदनशील प्रवृति का होने से आरोपीगणो की पता तलाश हेतु पुलिस अधीक्षक के द्वारा 10000 रू. का ईनाम घोषित किया गया आरोपीगणो को संदेह के आधार पर संभावित स्थानो पर पता तलाश कर हिरासत में लेकर पूछतांछ किया जो जुर्म करने से स्वीकार नही किये पुनः कुछ देर बाद काफी हिकमत अमली से पूछतांछ किया जो जुर्म करने से स्वीकार करते हुये बताये कि घटना दिनांक को देवरी टोला बीहर बाबा मंदिर के उपर जैतहरी के जंगल दिन में जंगली जानवर का शिकार करने जाने व शिकार व शराब पीने की बात को लेकर विवाद करना इसी दौरान आरोपी गण दरयाब पिता राम चरण सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी देवरी टोला थाना कोतवाली जिला शहडोल, दउआ उर्फ अजय सिंह पिता नवल सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी जैतहरी चौकी सरई थाना करनपठार जिला अनूपपुर, ऊडानी उर्फ भान सिंह पिता झाम सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी जैतहरी चौकी सरई थाना करनपठार जिला अनूपपुर के द्वारा अपने पास रखे लोड भरमार बंदूक से मृतक झूरू उर्फ धन सिंह के सीने में गोली मारकर हत्या कर देना स्वीकार किये तथा हत्या करने के बाद शव को जंगल में छोडकर भाग गये जो घटना स्थल से घटना में प्रयुक्त बंदूक भरमार एवं लोहे का राड बारूद भरने वाला मृत के पास रखे जप्त किया गया एवं आरोपीगणओ से पुछतांछ दौरान एक नग और बंदूक भरमार जिससे गोली चलाया गया था जिसे अन्य जगह छिपाया गया था जिसे जप्त किया गया है। उपरोक्त आरोपीगणो को दिनांक 07/03/2025 को विधिवत गिरफ्तारी की सूचना आरोपीगणो के परिजनो को दिया जाकर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया । उपरोक्त कार्यवाही में निरी. बीरेन्द्र कुमार बरकरे थाना प्रभारी करनपठार उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे चौकी प्रभारी सरई, प्रआर. 61 फूल सिंह श्याम, प्रआर. 74 राम प्रसाद मरावी, प्रआर. 79 कमल सिंह मसराम, आर. 346 साहब लाल सौर, आर. 376 अनुराग आर. 243 नीरज गुप्ता चौकी सरई एवं सायबर सेल प्रआर. पंकज मिश्रा तथा थाना करनपठार के आर. 287 विनोद कुमार सिंह का सराहनीय भूमिका है।

75 दिनों से हाथियों का आतंक बदस्तूर जारी

तीन हाथियों का डेरा कायम, चौथा हाथी लौट गया छत्तीसगढ़

अनूपपुर जिले के ग्रामीण इलाकों में पिछले 75 दिनों से हाथियों का आतंक बना हुआ है। तीन हाथियों का झुंड लगातार जंगल और गांवों के बीच विचरण कर किसानों की फसलें और घरों को नुकसान पहुंचा रहा है। वहीं हाल ही में आया चौथा दो-दांत वाला नर हाथी कई दिन भटकने के बाद फिर से छत्तीसगढ़ लौट गया, लेकिन तीन हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों की नींद अभी भी उड़ी हुई है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के कई गांव इन दिनों हाथियों की दहशत में जी रहे हैं। पिछले लगभग 75 दिनों से तीन हाथियों का झुंड जिले के जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार घूम रहा है। दिन के समय ये हाथी जंगलों में विश्राम करते हैं, जबकि रात होते ही खेतों और गांवों की ओर निकल पड़ते हैं। अचानक हाथियों के पहुंच जाने के डर से ग्रामीण रात-रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। इसी बीच 2 मार्च को छत्तीसगढ़ की सीमा पार कर आया एक विशाल दो-दांत वाला नर हाथी अपने तीन साथियों से मिलने धनगवां बीट पहुंचा था। कुछ दिनों तक जैतहरी और कोतमा क्षेत्र में घूमने के बाद यह हाथी लगभग 40-45 किलोमीटर का सफर तय करते हुए शुक्रवार की सुबह वापस छत्तीसगढ़ के जंगलों की ओर लौट गया। हालांकि जिले में अब भी तीन हाथियों का झुंड सक्रिय है, जो लगातार ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है और ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा रहा है।

75 दिनों से जारी हाथियों का विचरण

लगभग ढाई महीने से तीन हाथियों का समूह जिले के जंगलों में डेरा डाले हुए है। यह झुंड दिन में जंगल के भीतर रहता है और रात के समय गांवों के नजदीक पहुंचकर खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचाता है। अचानक हाथियों के आने की आशंका के कारण कई गांवों के लोग रात भर जागकर पहरा देते हैं। इससे ग्रामीणों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है।

चौथा हाथी आया, फिर लौट गया छत्तीसगढ़

दो दांत वाला एक बड़ा नर हाथी 2 मार्च को छत्तीसगढ़ से लगभग 25 किलोमीटर का सफर तय कर जैतहरी वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट में पहुंचा था। कुछ दिन अपने तीन साथियों के साथ रहने के बाद वह सोन नदी पार कर कोतमा क्षेत्र से होते हुए करीब 40-45 किलोमीटर का रास्ता तय कर फिर से छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के जंगलों में लौट गया।

खेतों में मचा रहे तबाही

हाथियों ने पिछले कुछ दिनों में कई किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। कुसुमहाई, पालाडोल और कुकुरगोंड़ा पंचायत के सरईहा टोला में किसानों के खेतों में लगी गेहूं, चना और मटर की फसल को हाथियों ने अपना आहार बना लिया। इसके अलावा कई जगहों पर घरों के पास लगी केला और गन्ने की फसल भी हाथियों द्वारा खा ली गई, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रात 3 बजे गांव में पहुंचे हाथी

शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि करीब 3 बजे तीनों हाथी अचानक कुकुरगोंड़ा पंचायत के सरईहा टोला पहुंच गए। यहां उन्होंने किसानों के खेतों और बांड़ी में लगी फसल को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर और विभिन्न उपायों से हाथियों को गांव से दूर भगाया, जिसके बाद हाथी पास के जंगल की ओर चले गए।

वन विभाग की टीम अलर्ट, फिर भी चकमा दे रहे हाथी

हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है। इसमें वन परिक्षेत्र अधिकारी, वनरक्षक और हाथी मित्र दल के सदस्य शामिल हैं। बावजूद इसके हाथी कई बार गश्ती दल को चकमा देकर अचानक गांवों में पहुंच जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हाथियों का यह झुंड जिले से बाहर नहीं जाता, तब तक उनकी परेशानी खत्म होने वाली नहीं है।

विश्व महिला दिवस विशेष

संघर्ष, शिक्षा और आस्था की अद्भुत मिसाल

स्वीपर से भारतीय स्टेट बैंक की सहायक महाप्रबंधक तक पहुँचीं श्रीमती प्रतीक्षा प्रमोद

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर ऐसी महिलाओं की जीवनगाथा प्रेरणा देती है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने साहस, परिश्रम और संकल्प से असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं। ऐसी ही प्रेरक शख्सियत हैं श्रीमती प्रतीक्षा प्रमोद टोंडवलकर, जिन्होंने जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव के बीच संघर्ष करते हुए भारतीय स्टेट बैंक में स्वीपर से सहायक महाप्रबंधक तक का लंबा सफर तय किया। महाराष्ट्र के पुणे में जन्मी श्रीमती टोंडवलकर साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता गंगाराम केवड़े (85 वर्ष) जूता-चप्पल की छोटी दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे, जबकि माता श्रीमती गंगूबाई केवड़े (79 वर्ष) गृहिणी रहीं। अनुसूचित जाति वर्ग से आने वाली श्रीमती टोंडलकर की प्रारंभिक शिक्षा सातवीं कक्षा तक ही हो पाई थी। सिर्फ 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में स्वीपर के पद पर अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम शुरू किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके मन में शिक्षा प्राप्त करने की प्रबल इच्छा थी। उन्होंने नौकरी करते हुए स्वाध्यायी परीक्षार्थी के रूप में पढ़ाई जारी रखी और दसवीं कक्षा 60 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके बाद कॉमर्स विषय लेकर हायर सेकेंडरी परीक्षा 52 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। दिन में बैंक की नौकरी और रात में पढ़ाई यह क्रम वर्षों तक चलता रहा। उन्होंने आगे एसएनडीटी कॉलेज, मुंबई से पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से मनोविज्ञान विषय में बी.ए. की डिग्री भी प्राप्त की। उनकी मेहनत और लगन के कारण बैंक में लगातार पदोन्नतियाँ मिलती गईं। 1990 में प्रमोशन, 1995 में क्लर्क, और 2003 में ट्रेनिंग ऑफिसर के पद पर पदोन्नति मिली। इसके बाद उन्होंने बैंकिंग की विभागीय परीक्षाएँ (ग्रेड 1, 2, 3, 4) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कीं और अंततः ग्रेड-5 में भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक पद तक पहुँचीं।

31 मई 2024 को उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। उनके इस सफर में उनके पति स्वर्गीय प्रमोद टोंडलकर का महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जो हमेशा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे। फरवरी 2019 में उनके पति का निधन हो गया, लेकिन उन्होंने जीवन के संघर्षों के बीच अपने हौसले को कमजोर नहीं होने दिया। परिवार की बात करें तो श्रीमती टोंडवलकर के दो बेटे और एक बेटी हैं। बड़ा बेटा सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत है। छोटा बेटा उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी में बी.ए. की पढ़ाई कर रहा है। उनकी बेटी दुबई में फूड पेस्ट्री का कोर्स करने के बाद शेफ के पद पर कार्यरत है और उसका विवाह भी हो चुका है। वर्तमान में श्रीमती टोंडलकर अपने बड़े बेटे के साथ पुणे में निवास करती हैं, जहाँ बेटा-बहू उनका पूरा ध्यान और सेवा-सत्कार करते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने आध्यात्मिक जीवन की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि उन्होंने पवित्र पुण्य सलिला मां नर्मदा के बारे में सुना था कि उनकी परिक्रमा अत्यंत पुण्यदायी होती है और श्रद्धा से करने पर मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। इसी भावना से उन्होंने ओंकारेश्वर से मां नर्मदा की परिक्रमा प्रारंभ की और लगभग 111 दिनों की कठिन पैदल यात्रा करते हुए प्रतिदिन लगभग 25 से 30 किलोमीटर चलकर 28 फरवरी 2026 को अपनी परिक्रमा पूर्ण की। नर्मदा परिक्रमा के दौरान वे पवित्र नगरी अमरकंटक भी पहुँचीं, जहाँ तट परिवर्तन एवं जल परिवर्तन की परंपरा निभाई। इस पूरी यात्रा में उनकी हमउम्र सहेली सुनीता गायकवाड भी उनके साथ रहीं।

उन्होंने बताया कि नर्मदा परिक्रमा के दौरान उन्हें कहीं भी असुरक्षा या कठिनाई का अनुभव नहीं हुआ। हर स्थान पर श्रद्धालु और स्थानीय लोग सेवा भाव से परिक्रमावासियों की सहायता करते हैं। उनका कहना है कि मां नर्मदा विश्व की ऐसी अद्भुत नदी हैं जिनकी परिक्रमा की जाती है और लाखों श्रद्धालु यह तपस्वी यात्रा करते हैं। श्रीमती टोंडवलकर कहती हैं कि उन्हें कभी यह महसूस नहीं हुआ कि वह महिला हैं और यह यात्रा कठिन होगी। उनके शब्दों में "मां नर्मदा भी तो मां हैं। जब मां का आशीर्वाद साथ हो तो कोई कठिनाई महसूस नहीं होती।" विश्व महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती प्रतीक्षा प्रमोद टोंडवलकर का संदेश विशेष रूप से प्रेरणादायक है। वे कहती हैं "शिक्षा एक ऐसा अमृत है, जो भी इसे ग्रहण करता है वह निरंतर आगे बढ़ता जाता है। मैंने पढ़ाई कभी नहीं छोड़ी और हमेशा आगे बढ़ने की कोशिश करती रही। माता-पिता का सहयोग और अपने संकल्प ने मुझे इस मुकाम तक पहुँचाया।" श्रीमती टोंडवलकर की यह जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, शिक्षा और परिश्रम के बल पर कोई भी व्यक्ति जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। विश्व महिला दिवस के अवसर पर उनका संघर्ष और सफलता समाज की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वैष्णवी तिवारी ने दूसरे प्रयास में यूपीएससी परीक्षा में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में वैष्णवी तिवारी ने अपने दूसरे प्रयास में ऑल इंडिया रैंक यूपीएससी 302 हासिल कर सफलता प्राप्त की है। उन्होंने इस कठिन परीक्षा की तैयारी घर से स्व-अध्ययन के माध्यम से की। वैष्णवी के पिता केदारनाथ तिवारी, माता श्रीमती रानी तिवारी', बड़े पापा सुशील कुमार तिवारी तथा बद्री तिवारी पत्रकार ने उनकी इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अनूपपुर जंक्शन पर अमृत भारत एवं गति शक्ति यूनिट के कार्यों में यात्रियों की सुविधा को किया गया दरकिनार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह के प्रयासों से उनके संसदीय क्षेत्र में चार स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नया रूप दिया जा रहा है। जिसमें अनूपपुर सहित बिजुरी, शहडोल एवं उमरिया शामिल है। सांसद हिमाद्री सिंह ने स्वयं एवं रेलवे के अधिकारियों के साथ कार्यों का निरीक्षण भी किया एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित भी किया। लेकिन उसके बावजूद भी कार्यों को अमली जामा पहनाया नहीं गया। जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अनूपपुर जंक्शन स्टेशन पर बड़ी-बड़ी दीवारों को रंग रोगन कर सजा तो दिया गया है। नक्शा भी अनूपपुर जंक्शन स्टेशन का बदल गया है। लेकिन महत्वपूर्ण बातों को, कार्यों को दरकिनार कर दिया गया। स्वयं बिलासपुर रेल मंडल प्रबंधक आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से लिया था। लेकिन उसके बावजूद भी स्टेशन के बाहर आज तक सुलभ शौचालय निर्माण की दिशा में कोई कार्य नहीं हो सका। अनूपपुर जंक्शन स्टेशन के अंदर वेटिंग हॉल का रेनोवेशन अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी के लोगों का कर तो किया गया। सशुल्क प्रतीक्षालय का निर्माण भी करा दिया गया है। लेकिन स्नानागार की सुविधा नहीं की गई है। यहां तक की सशुल्क शौचालय एवं स्नानागार की सुविधा भी अनूपपुर जंक्शन स्टेशन पर दी गई है। लेकिन रेलवे के इंजीनियर स्नानागार का बोर्ड जरूर लगा दिए हैं उसका शुल्क भी निर्धारित कर दिए हैं, लेकिन वहां पर स्नानागार का नाम ही नहीं है। जब वहां उपस्थित व्यक्ति से पूछा गया तो कहा कि कोई भी आता है लेकिन सुविधा नहीं है तो वह बेसिंग से ही पानी लेकर वहीं नहाने लगता है। जिससे गंदगी हो जाती है। लेकिन रेलवे के संबंधित अधिकारियों को इससे कोई लेना देना नहीं।

रेलवे के आईओडब्लू ने ट्विटर में रेल मंत्रालय द्वारा बिलासपुर रेल मंडल को निर्देशित किया गया तो उन्होंने जवाब दे दिया की डॉरमेट्री और रिटायरिंग रूम में सुविधाएँ उपलब्ध हैं। लेकिन जहां पर सुविधा उपलब्ध के लिए लिखा गया है जहां शुल्क निर्धारित किया गया है वहां पर बनाना ही भूल गए और अगर देखा जाए तो केवल आरक्षित श्रेणी वाले जो ऑनलाइन बुकिंग करते हैं उनको केवल डॉरमेट्री और रिटायरिंग रूम में सुविधाएँ मिल पाती हैं। लेकिन देखा जा सकता है कि वहां पर हमेशा ताला ही लगा रहता है और ना ही किसी तरह का बोर्ड लगाया गया है। जिससे आम यात्री को पता चल सके कि अनूपपुर जंक्शन स्टेशन पर डॉरमेट्री और रिटायरिंग रूम की सुविधा किस स्थान पर है। जंक्शन स्टेशन होने के कारण हजारों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। गर्मी के मौसम में खास कल लंबी दूरी से आने वाले यात्री पैसा देकर भी नहाने की सुविधा प्राप्त नहीं कर पा रहे। जबकि वहां पर बोर्ड में स्नानागार की सुविधा भी लिखा हुआ है। लेकिन रेलवे के अधिकारी उसके इंजीनियर वह जगह नहीं दिखा पा रहे और ना ही बोर्ड को चेंज करवा पा रहे। आवश्यकता है कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी स्नानागार की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सशुल्क देने वाले यात्रियों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें या फिर जो बोर्ड लगा हुआ है उसे चेंज कर दें एवं सशुल्क वाले में जो यात्री बेसिंग से पानी लेकर गंदगी करते हुए नहा रहा है उस पर रोक लगाई जाए। जिससे गंदगी से बचा जा सके।

कल्याणिका के लाल ने किया कमालः हर्षवर्धन सिंह ने यूपीएससी 2025 में सफलता प्राप्त कर बढ़ाया अमरकंटक का गौरव

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पावन नर्मदा उद्गम की तपोभूमि अमरकंटक से एक अत्यंत गौरवपूर्ण समाचार सामने आया है। यहाँ स्थित कल्याणिका केन्द्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन सिंह ने देश की सर्वाधिक प्रतिष्ठित एवं चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 212 वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे अमरकंटक क्षेत्र और विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणाम में हर्षवर्धन सिंह की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य के प्रति अटूट विश्वास, कठोर परिश्रम और सतत प्रयास हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। हर्षवर्धन सिंह वर्ष 2013 में कल्याणिका केन्द्रीय शिक्षा निकेतन, अमरकंटक से अपनी स्कूली शिक्षा पूर्ण कर विद्यालय से उत्तीर्ण हुए थे। छात्र जीवन के दौरान ही वे अपनी प्रतिभा, अनुशासन, परिश्रम और विनम्र स्वभाव के कारण शिक्षकों एवं सहपाठियों के बीच विशेष पहचान रखते थे। हर्षवर्धन सिंह के पिता नरेंद्र सिंह तथा माता श्रीमती संगीता सिंह ने भी उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। माता-पिता के स्नेह, संस्कार और निरंतर प्रोत्साहन ने उनके व्यक्तित्व और लक्ष्य को मजबूत आधार प्रदान किया। परिवार के मार्गदर्शन और आशीर्वाद के साथ उन्होंने कठिन परिश्रम करते हुए यह सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के शिक्षकगण बताते हैं कि हर्षवर्धन सिंह प्रारंभ से ही मेधावी, जिज्ञासु और लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्र रहे हैं। उनकी अध्ययनशीलता, सकारात्मक सोच और कठिन परिश्रम करने की प्रवृत्ति उन्हें अन्य छात्रों से अलग पहचान देती थी। वे पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक भाग लेते थे, जिससे उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास हुआ।

इस अवसर पर कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध संन्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हर्षवर्धन सिंह विद्यालय के अत्यंत प्रतिभाशाली और ऊर्जावान छात्र रहे हैं। उन्होंने बताया कि छात्र जीवन के दौरान ही उनके मन में प्रशासनिक सेवा में जाने का दृढ़ संकल्प था। वे अक्सर अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन लेते थे और समाज के लिए कुछ बड़ा करने का सपना देखते थे। आज उनकी यह सफलता उस संकल्प और अथक परिश्रम का परिणाम है। स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने आगे कहा कि कल्याणिका केन्द्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण को भी समान महत्व देता है। विद्यालय के समर्पित शिक्षकगण छात्रों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यही कारण है कि इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक छात्र आज देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिवर्ष विद्यालय के अनेक छात्र देश की बड़ी-बड़ी संस्थाओं में चयनित होकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। आज सैकड़ों की संख्या में इस विद्यालय के पूर्व छात्र प्रशासनिक सेवा, शिक्षा, तकनीकी, अनुसंधान तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो इस संस्थान की उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था और आदर्श शिक्षकों की तपस्या का परिणाम है।

हर्षवर्धन सिंह की यह उपलब्धि अमरकंटक के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर सामने आई है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि यदि विद्यार्थी लगन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करते रहें, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। अंत में स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने माँ नर्मदा पारंबा से प्रार्थना करते हुए हर्षवर्धन सिंह के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और कहा कि वे आगे भी निरंतर प्रगति करते हुए राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें तथा समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें। हर्षवर्धन सिंह की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उनकी सफलता ने अमरकंटक की पावन धरा को एक बार फिर गर्व से आलोकित कर दिया है।